**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Regarding special package for rehabilitation of people displaced from Chandeil dam in Jharkhand.

**श्री संजय सेठ (राँची):** अध्यक्ष जी, मेरे संसदीय क्षेत्र रांची के चाण्डील (इचागढ़ विधानसभा) में आज से 35 साल पहले 'स्वर्णरेखा-पर्यूषी परियोजना - झारखण्ड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल' के तहत चांडिल डैम का निर्माण हुआ था । उसमें 14,000 परिवार विस्थापित हुए, लेकिन सिर्फ 1150 लोगों को ही नौकरी मिली और 2000 लोगों का सर्वे भी नहीं हुआ । वहां स्थिति इतनी दयनीय है कि डैम के विस्थापित लोग मजबूर हो गए हैं और वे खाने के लिए तरस रहे हैं । मेरा आपसे आग्रह है कि उसका पुन: सर्वे कराया जाए और नर्मदा जल नीति के तहत ही चांडिल डैम के विस्थापितों को भी न्याय मिले । वर्ष 2019 तक जो लोग 18 साल तक आयु वाले हो गए हैं, उनका भी नाम उस पुस्तिका में जोड़ा जाए । मगर अभी तक इस दिशा में कोई निर्णय नहीं हुआ है ।

अध्यक्ष जी, मेरा विनम्र आग्रह है, मैं उनकी पीड़ा चुनाव के समय देखकर आया हूं । मैं बताना चाहूंगा कि उस विधान सभा क्षेत्र में हमें लगभग 70,000 वोट्स की लीड मिली । मैंने लोगों को विश्वास दिलाया था कि मैं लोक सभा में इस प्रश्न को उठाऊंगा और विस्थापितों को न्याय दिलाऊंगा ।

**माननीय अध्यक्ष:** कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री संजय सेठ द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

श्री प्रद्युत बोरदोलोई ।

माननीय सदस्य आज दूसरी बार सदन में बोल रहे हैं । कल इन्होंने सदन में बोला है और आज भी बोल रहे हैं । यह नए सदस्य हैं ।